

पंजाब क्रेडेंशियल 12-10-2024

रैलियों का उद्देश्य समाज को शिक्षित और जागरूक करना है : डा. रोहित दत्त

अम्बाला, 11 अक्टूबर (बलराम): जी.एम.एन. कॉलेज, अम्बाला छावनी के मनोविज्ञान विभाग ने मनोवैज्ञानिक परामर्श केंद्र, मानसिक स्वास्थ्य क्लब, यूथ रैडक्रॉस और समाजशास्त्र विभाग के सहयोग से ओ.सी.डी. यानी ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया। यह रैली मानसिक बीमारी से जुड़े स्टिग्मा को तोड़ने और समाज को इस विकार के बारे में शिक्षित करने के लिए आयोजित की गई थी। 13 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक ओ.सी.डी. जागरूकता सप्ताह मनाया जाता है, जो एक वैश्विक कार्यक्रम है जिसका उद्देश्य ओ.सी.डी. से जुड़े मिथकों को दूर करना है।

इस दौरान कॉलेज प्राचार्य डा. रोहित दत्त ने रैली को हरी झंडी दी और कहा कि कोविड-19 के बाद मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बेहद महत्वपूर्ण हो गई है और समाज की भलाई के लिए जागरूकता फैलाने में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ओ.सी.डी. जागरूकता सप्ताह में भाग



अम्बाला छावनी में जागरूकता रैली निकालते जी.एम.एन. कॉलेज के विद्यार्थी। (देवदत्त)

लेकर और विकार के बारे में जागरूकता फैलाकर हम प्रभावित लोगों के जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं और मानसिक बीमारी से जुड़े स्टिग्मा को तोड़ने में मदद कर सकते हैं। मनोविज्ञान विभाग की प्रमुख डा. अनुपमा सिहाग ने कहा कि यह जागरूकता सप्ताह महत्वपूर्ण है, क्योंकि ओ.सी.डी. को एक मानसिक विकार के रूप में पहचाना जाता है जो 100 वयस्कों में से 1 और 200 बच्चों में से 1 को प्रभावित करता है। ओ.सी.डी. की विशेषता लगातार और दखल देने वाले विचार, ऑब्सेशन हैं जो चिंता

को कम करने के प्रयास में दोहराए जाने वाले व्यवहार, कंपल्शन को जन्म देते हैं।

सामान्य लक्षणों में अत्यधिक सफाई, जांच, गिनती और वस्तुओं को एक विशिष्ट क्रम में व्यवस्थित करना शामिल है। यूथ रैडक्रॉस सोसाइटी के संयोजक डा. राकेश कुमार ने कहा कि युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों के बारे में जागरूक होने की जरूरत है, ताकि वे शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें। समाजशास्त्र विभाग की प्रमुख मंदिप ने ओ.सी.डी. के

बारे में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए छात्रों को संबोधित किया। रैली में लगभग 70 विद्यार्थियों ने भाग लिया और डा. मीनू राठी, डा. शिखा जग्गी, डा. राकेश कुमार और डा. तृप्ति शर्मा सहित कॉलेज के अन्य संकाय सदस्य उपस्थित थे। इस गतिविधि ने ओ.सी.डी. और अन्य मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बारे में जागरूकता फैलाई और बड़े पैमाने पर समाज पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी।